Total No. of Questions : 10]

DHIND01

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY - 2019

(First Year)

HINDI

History of Hindi Literature

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Q1) हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन में नामकरण और काल-विभाजन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Q2) आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

Q3) निर्गुण भक्त कवि के रूप में कबीरदास का परिचय दीजिए।

Q4) तुलसीदास की भक्ति-पद्धति पर एक लेख लिखिए।

Q5) 'आचार्य केशवदास रीतिकाल के प्रवर्तक हैं' - इसकी समीक्षा कीजिए।

Q6) भारतेन्दु काल में हिन्दी गद्य के विकास पर प्रकाश डालिए।

Q7) हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

Q8) हिन्दी नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

Q9) हिन्दी नाटक के विकास में जयशंकर प्रसाद के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

Q10) किन्हीं <u>दो कवियों</u> का परिचय दीजिए।

अ) सूरदास।

आ) रहीम।

इ) दिनकर।

ई) मैथिली शरण गुप्त।

Total No. of Questions : 10]

DHIND02

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY - 2019

(First Year)

HINDI

Theory of Indian and Western Literature

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Q1) रस की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए रस-संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

Q2) भारतीय काव्यशास्त्र के आधार पर काव्य के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

Q3) ध्वनि-संप्रदाय का परिचय देते हुए ध्वनि-भेदों पर प्रकाश डालिए।

Q4) वक्रोक्ति सिद्धांत का परिचय देते हुए स्वभावोक्ति और वक्रोक्ति के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

Q5) शब्द-शक्ति से क्या अभिप्राय है? उसके कितने भेद हैं? किसी एक भेद का विवरण दीजिए।

Q6) प्लेटो के काव्य-सिद्धांतों का परिचय दीजिए।

Q7) अरस्तु के अनुकरण-सिद्धांतों का परिचय देते हुए उसके गुण-दोषों पर प्रकाश डालिए।

Q8) टी.एस.इलियट के परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा संबंधी विचारों को समझाइए।

Q9) मार्क्सवादी साहित्य-चिंतन की मूलभूत विशेषताओं को समझाइए।

Q10) किन्हीं <u>दो पर</u> टिप्पणी लिखिए।

अ) अमेरीका की नयी समीक्षा।

आ) प्रबंध काव्य।

इ) रेखाचित्र।

ई) संस्मरण।

♦ ♦ ♦

Total No. of Questions : 10]

DHIND03

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY - 2019

(First Year)

HINDI

Old and Medieval Poetry

प्राचीन एवं मध्य युगीन काव्य

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। ***(4×3½=14)***

a) खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर ठाढी भई।

देखि सरोवर रहसहि खेली। पदुमावति सौ कहहि सहेली।

ऐ रानी मन देख विचारी। एहि नौहर रहना दिन चारी।

जो लहि अहै पिता का राजु। खेलि लेहु जौ खेलहु आजु।

पुनि सासुर हम गौनव काली, कित मिलि कै खेलव एक साघाँ।

सासु ननद बोलिन्ह जिन्ह लेहिदा रूप ससुर ना आवै देही।

पिउ पिआर सब ऊपर सो पुनि करै दहुँ काह।

कहुँ सुख राखै की दुख दहुँ कस जरम निबाहू।।

b) कस्तूरी कुंडलि बसै; मृग ढूँढै वन माहि।

ऐसे घटि घटि राम हैं, दुनिया देखै नाहि।।

ल) कबीर सत गुरू ता मिल्या रही अधूरी सीख।

स्वांग जती का पहरि घरि घरि माँग भीख।।

व) कुट्टिल केश सुदेष, पौह परचियतपिक्क सद।

कमलगंध वयसंघ, हंसगति चलत मन्द-मन्द।।

सेत वस्त्रु सौंहे सरीर, नष स्वाति बंद जस।

भ्रमर भवहि भुल्लहिं सुझाव मकरन्द बास रस।।

नैन निरखि सुष पाय सुख, यह सुदिन मूरति रचिय।

उमा प्रसाद हर सेरिपत, मिल हिराप्त प्रयिराप्त जिय।।

श) उद्धव! यह मन निश्चय जानो।

मन क्रम वय मैं तुम्हें पहावत ब्रज कौ तुरत पलानो।

पूरन ब्रह्म, सकल अविनासी ताके तुम हौ ज्ञाता।

रेख न रूप, जाति कुलु नाही जाके नहि पितु माता।।

यह मत दै गोपिन कह आबहु विरह-नदी में भासति।

सूर तुरत यह जाय कहौ तुम ब्रहमा बिना नहिं आसति।।

f) जो प्रबंध बुध नहिं आदरहि। सो श्रमवादि बालकवि करहीं।।

कीरत भनिति भूति भलि सोई। सुरसरि सम सब कहै हित होई।।

राम सुकीरति, भनिति भदेसा। असमंजस अस मोहि अंदेसा।।

तुम्हारी कृपा सुलभ सोउ मोरे। सिअनि सुहावनि टाट परोरे।।

स) सीस-मुकुट कटि-काछनी, कर-मुरली उरमाल।

इह बानक मो मन सदा, बसौ बिहारीलाल।।

h) कैसे घरौं धीर वीर। अति ही असाधि पीर,

जतन ही रोग याहिं नीकें करि दोह की।

देखे अन देखे तहाँ अटक्यों आनन्द घन,

ऐसी गति कहौ कहा चुम्बक औलोह की।।

Q2) पृथ्वीराज रासो कृत ङ्कपद्मावतीसमयङ्क की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q3) कबीर के समाज-सुधारक रूप पर प्रकाश डालिए।

Q4) सूरदास की भक्ति-भावना को सोदाहरण समझाइए।

Q5) लोकनायक के रूप में तुलसी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Q6) बिहारी की काव्य-प्रतिभा का परिचय दीजिए।

Q7) घनानंद के काव्य में व्यक्त स्वच्छंद चेतना पर प्रकाश डालिए।

Q8) जायसी कृत 'पद्मावत' में अभिव्यक्त प्रेम भावना का परिचय दीजिए।

Q9) मानसरोदक खण्ड की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

Q10) रामचरित मानस के 'बालकाण्ड' की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

♦ ♦ ♦

Total No. of Questions : 10]

DHIND04

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY - 2019

(First Year)

HINDI

Hindi Prose - Drama, Novel, Stories and Essay

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। *(4×3½=14)*

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। *(4×14=56)*

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। *(4×3½=14)*

a) इसको चाहे क्वारी रखिएगा, चाहे विष देकर मार डालिएगा, पर कुपात्र के गले न मढ़िएगा।

अथवा

b) मन! तेरी गति कितनी विचित्र है, कितनी दुर्भेद्य तू कितनी जल्द रंग बदलता है। इस कला में तू निपुण है। आतिशबाज की चर्खी को भी रंग बदलते कुछ देर लगती है, पर तुझे रंग बदलने में उसका लक्षांश समय भी नहीं लगता। जहाँ अभी वात्सल्य था, वहाँ फिर सन्देह ने आसान जमा लिया।

c) दया किसी से न माँगूगा और अधिकार तथा अवसर मिलने पर किसी पर न करूँगा।

अथवा

d) राजा न्याय कर सकता है, परन्तु ब्रह्मण क्षमा कर सकता है।

e) नाना विषयों के बोध का विधान होने पर ही उनसे संबंध रखनेवाली इच्छा की अनेक रूपता के अनुसार अनुभूति के वे भिन्न योग संघटित होते हैं जो भाव या मनोविकार कहलाते हैं।

अथवा

f) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। जब पूज्य भाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामीप्य-लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए।

g) किसी भी साम्राज्य की सीमा तलवार से खींची जाती है और सीमा को स्थायी रखने के लिए उस रेखा में रक्त का रंग भरा जाता है।

अथवा

h) मनुष्य मृत्यु को असुन्दर ही नहीं, अपवित्र भी मानता है। उसके प्रियतम आनमीयजन का शव भी उसके निकट अपवित्र, अस्पृश्य और भयानक हो उठता है।

Q2) 'चन्द्रगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता का विवेचन कीजिए।

Q3) 'चन्द्रगुप्त' नाटक का नायक कौन है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

Q4) 'निर्मला' उपन्यास में प्रतिपादित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

Q5) 'निर्मला' के चरित्र-चित्रण पर प्रकाश डालिए।

Q6) एकांकी कला की दृष्टि से 'सूखीडाली' अथवा 'महाभारत की एक साँझ' की समीक्षा कीजिए।

Q7) हिन्दी निबंध साहित्य के विकास में रामचन्द्र शुकल के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

Q8) रेखाचित्र की विशेषताओं के आधार पर 'सोना' की समीक्षा कीजिए।

Q9) 'परदा' अथवा 'बेस' का मूल्यांकन तत्वों के आधार पर कीजिए।

Q10) किन्हीं <u>दो</u> पर टिप्पणी लिखिए।

a) चारूमित्रा।

b) 'प्रेरणा' की कथावस्तु।

c) सिकंदर।

d) उत्साह।

♦ ♦ ♦

Total No. of Questions : 10]

DHIND05

M.A. DEGREE EXAMINATION, JUNE/JULY - 2019

(First Year)

HINDI

Modern Poetry

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Q1) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। ***(4×3½=14)***

a) अचल के शिखरों पर जा चढी
किरण पादप-शीश-विहारिणी।।
तरणि-बिंब तिरोहित हो चला।
गगन-मण्डल मध्य शनैः शनैः।।

अथवा

b) घिर रहे थे घुँघराले बाल
अंस अवलंबित मुख के पास,
नील घनशावक-से सुकुमार
सुधा भरने को विजु के पास।

c) 'ऐसे क्षण अन्धकार घन में जैसे विद्युत
जागी पृथ्वी-तन था-कुमारि का - कवि, अच्युत
देखते हुए निष्पलक, याद आया उपवन
विदेह का - प्रथम स्नेह का लतान्तराल मिलन
नयनों का - नयनों से गोपन - प्रिय सम्भाषण,
पलकों का नव पलकों पर प्रथमोत्थान - पतन .....।'

अथवा

d) सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझ से ज्वाला - कण
विश्व-शलभ सिर घुन कहता मैं,
हाथ न जल पाया तुझ में मिल।
सिहर-सिहर मेरे दीपक जल।

e) मेरी भी यह चाह, विलासिनि। सुन्दरता को शीश झुकाऊँ,

जिधर-जिधर मधुमयी बसी हो, उधर वसन्तानिल बन जाऊँ।

अथवा

f) नींद कहाँ उनकी आँखों में जो धुन के मतवाले हैं?
गति की तृषा और बढती, पडते पद में जब छाले हैं।

g) किन्तु हम हैं द्वीप। हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्त्रोतस्विनी के।
किंतु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।

अथवा

h) किसका चीत्कार है यह माता गान्धारी।
मैं कहता हूँ धैर्य धरो
जैसे तुम्हारी कोख कर दी है पुत्रहीन कृष्ण ने
वैसे ही मैं भी उत्तरा को कर दूँगा पुत्रहीन
जीवित नहीं छोडूँगा उसको मैं
कृष्ण चाहे सारी योगमाया से रक्षा करे।

Q2) प्रिय प्रवास में 'राधा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Q3) 'कामायनी' के 'श्रद्धा' सर्ग की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q4) 'राम की शक्ति पूजा' के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

Q5) 'भारत माता' कविता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

Q6) महादेवी वर्मा के काव्य में चित्रित वेदना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Q7) ''हुँकार का कवि द्वन्द्व और द्विधा की स्थिति से मुक्ति हो क्रान्ति का आहवान् करता है'' - इस तथ्य की समीक्षा कीजिए।

Q8) 'असाध्यवीणा' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q9) 'अंधायुग' में प्रतिपादित युद्ध और शाँति की समस्या की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

Q10) किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

A) अंधा युग की गांधारी।

Am) "नदी के द्वीप' का प्रतिपाद्य।

B) राम की शक्तिपूजा में चित्रित 'हनुमान' का चरित्र।

B©) 'संधिनी' का प्रतिपाद्य।

C) महादेवी के रहस्यवादी विचार।

♦ ♦ ♦